| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
| परिचालित ड्रॉफ्ट योजना | | | |
| 1. | नंदगंज सिहोरी शुगर कं. लि. | 6.2.96 | 30.6.97 |
| | धारा 20(1) के तहत बंद करने की सिफारिश | | |
| 1. | चम्पारन शुगर | 12.8.87 | 28.6.93 |
| 2. | जिवाजी राव शुगर | 8.3.88 | 18.1.91 |
| 3. | सलारजंग शुगर | 5.4.88 | 17.10.96 |
| 4. | गंगावती शुगर | 30.8.88 | 29.9.95 |
| 5. | स्वदेशी पाइनिंग तथा मेनि. कं. लि. | 2.1.95 | 1.7.96 |
| 6. | घाटमपुर शुगर कं. लि. | 9.6.95 | 25.8.98 |
| निरीक्षण के अधीन | | | |
| 1. | त्रावणकोर शुगर्स तथा केमिकल्स लि. | 20.6.95 | 30.6.95 |
| 2. | उत्तर प्रदेश राज्य शुगर कोर्पो.लि. | 20.6.95 | - |
| 3. | एच.एम.पी. शुगर्स लि. | 11.10.96 | - |
| 4. | छाता शुगर क. लि. | 16.7.97 | - |
| 5. | बी.एस.आई.लि. | 17.6.98 | - |
| 6. | गिरधारीलाल शुगर तथा एलाइड इंडस्ट्रीज | 31.8.98 | - |
| 7. | खलीलाबाद शुगर मिल्स प्रा. लि. | 13.1.99 | - |
| 8. | विक्रम प्रोजेक्टस लि. | 21.1.99 | - |
| अब रूग्ण नहीं घोषित | | | |
| 1. | चल्लापली शुगर | 19.6.87 | 17.1.96 |
| 2. | देवनगेरे शुगर क. | 24.8.87 | 14.2.96 |
| 3. | गोदावरी शुगर मिल्स | 25.9.87 | 29.11.94 |
| 4. | किरियमपुर शुगर मिल्स | 2.11.87 | 31.3.92 |
| 5. | भगवानपुरा शुगर मिल्स | 24.2.88 | 27.3.97 |
| 6. | रामनुगर केन (खेतान एग्रो कॉम्पलेक्स) | 30.5.88 | 13.9.96 |

**WRITTEN ANSWERS TO UNSTARR t:D QUESTIONS**

**Gold Plating by Urea Firms**

466. SHRI JIBON ROY:
SHRI NILOTPAL BASU:

Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news-item captioned "Panel will look into Gold plating by urea firms", which appeared in "The Times of India" of 6th January, 1999;

(b) if so, the present status of recovery of subsidy, with retrospective effect, from the fertilizer companies involved in underrating of name plate capacities',

(c) the amount to be recovered as per assessment by the technical committee appointed by F.I.C.C, from three of these companies; and

(d) the action taken by Government so for?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (DR A.K. PATEL): (a) to (d) Government has seen the newsitem that appreaed in the Times of India on 6th January 1999. FICC considered the matter relating to reassessment of capacity of urea manufacturing units at its meetings held on 12.1.99 and 21.1.99. Government is seized of the various issues involved as well as the need to take a balanced and holistic view in this regard.

**उर्वरकों की मांग की आपूर्ति**

467. **लाला लाजपत राय :** क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) देश में उर्वरक औसत मांग और आपूर्ति में वास्तविक रूप से कितना अंतर हैं,

(ख) क्या देश में उत्पादित उर्वरक से इसकी कुल मांग पूरी की जा सकती है,

(ग) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों के दौरान प्रतिवर्ष मांग और आपूर्ति का ब्यौरा क्या है, और

(घ) यदि नहीं, तो सरकार ने किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठायें हैं ?

**रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा. ए.के.पटेल) :** (क) से (ग) गत तीन वर्षों के दौरान पोषकों के रूप में उपभोग हेतु मांग और उत्पादन के बीच का अंतर इस प्रकार रहा है :-

(आंकड़े लाख टन में)

| वर्ष | | नाइट्रोजन (एन.) | फास्फेट (पी) | पोटाश (के) |
|---|---|---|---|---|
| 1996-97 | खपत | 103.01 | 29.77 | 10.30 |
| | उत्पादन | 85.99 | 25.56 | - |
| 1997-98 | खपत | 109.00 | 39.15 | 13.73 |
| | उत्पादन | 100.86 | 29.76 | - |
| 1998-1999 | खपत | 114.66 | 40.01 | 13.05 |
| (अनुमानित) | उत्पादन | 104.52 | 30.03 | - |

मांग तथा स्वदेशी उत्पादन के बीच के अंदर को आयातों द्वारा किया जाता है । चूंकि देश में पोटाश के वाणिज्यिक रूप में दोहन योग्य कोई ज्ञात स्त्रोत नहीं हैं, पोटाश की सम्पूर्ण मांग को आयातों द्वारा पूरा किया जाता है । इसके अलावा, यूरिया तथा डीरपी के आयात किये जातें हैं इसके अलावा, यूरिया तथा डीएपी के आयात किये जातें हैं । यूरिया के आयात सरकारी खाते में किये जातें है । जबकि डीएपी और एमओपी (जो नियंत्रणमुक्त उर्वरक है) के आयात निजी व्यवसाय खाते में किये जातें हैं ।

(घ) : सरकार बढ़े हुये स्वदेशी उत्पादन तथा आयातों के माध्यम से उर्वरकों की उपलब्धता में वृद्धि करने हेतु विभिन्न उपाय कर रही है । संयंत्र क्षमताओं की स्थापना करने के लिए प्रोत्साहनों में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित सम्मिलित हैं :-

(i) नये संयत्रों की स्थापना करने/मौजुदा एककों के आधुनिकीकरण के लिए पूंजीगत मालों का निशुल्क आयात

(ii) उर्वरक परियोजनाओं को पूंजीगत मामलों के स्वदेशी आपूर्तिकर्ताओं को संभावित निर्यात लाभ बशर्ते ऐसी आपूर्तियां अन्तराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली पद्धति के तहत की जाये ।

(iii) उर्वरक कच्चे मालों तथा मध्यवत्तियों का निशुल्क आयात

(iv) वर्तमान में यूरिया पर लागू प्रतिधारण मूल्य-सह-राजसहायता स्कीम के तहत उद्यमिलयों को निवेश पर मुनासिब लाभ